



### गेल ने वित्त 2024 में बेहतर कार्य निष्पादन किया : गुप्ता

नई दिल्ली (वि)। गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान बेहतर कार्य निष्पादन किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान 11,426 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया है। गेल (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 में 11,555 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) रिपोर्ट किया, जो वित्त वर्ष 2023 में 6,584 करोड़ रुपये से 75 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024 में 8,836 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ (पीएटी) हुआ, जो वित्त वर्ष 2023 में 5,302 करोड़ रुपये की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है। प्रचालनों से राजस्व वित्त वर्ष 2024 में 1,30,638 करोड़ रुपये हुआ, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 1,44,302 करोड़ रुपये था।

## वित्त वर्ष 2024 में गेल के कर पूर्व लाभ में 75 प्रतिशत की बढ़ोतरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: गेल (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 में 11,555 करोड़ का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) दर्ज किया है। यह पिछले वित्त वर्ष 2023 में 6,584 करोड़ रुपये से 75 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही कंपनी को 2024 में 8,836 करोड़ का कर के बाद का लाभ (पीएटी) हुआ है।

यह पिछले वित्त वर्ष 2023 में 5,302 करोड़ रुपये की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है, जबकि प्रचालनों से राजस्व वित्त वर्ष 2024 में 1,30,638 करोड़ हुआ, जबकि 2023 में यह 1,44,302 करोड़ था।

गेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संदीप कुमार गुप्ता ने कहा, वर्ष 2024 के दौरान बेहतर कार्य निष्पादन से पेट्रोकेमिकल्स और

तरल हाइड्रो-कार्बन में कम कीमतों के बावजूद सभी प्रमुख क्षेत्रों में मुख्यतः बेहतर वास्तविक निष्पादन से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान 11,426 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया है।

गेल के बोर्ड ने 32 महीने की कमीशनिंग अवधि के साथ 1,792 करोड़ की अनुमानित परियोजना लागत वाली विजयपुर से औरैया तक सी2/सी3 तरल पाइपलाइन बिछाने के लिए स्वीकृति प्रदान की है।

यह परियोजना पाता पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में अतिरिक्त पालिमर उत्पादन के साथ फीडस्टॉक उपलब्धता को बढ़ाएगी और ऊर्जा की खपत और कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगी।

# Indian Oil signs 2nd LNG deal with TotalEnergies

Rituraj Baruah  
rituraj.baruah@livemint.com  
NEW DELHI

India is looking to fortify its imports of LNG, a crucial ingredient in industrial applications and partly in transportation, through long-term contracts with overseas exporters.

This week, state-run Indian Oil Corporation Ltd signed a long-term contract with French energy giant TotalEnergies in France for supply of LNG (liquefied natural gas), two people aware of the development said. Under the contract, TotalEnergies would supply 1 million metric tonne per annum (mmtpa) of LNG to IOCL for a period of around 10 years.

This is the second contract between the companies in the past one year. Last July, they had signed an agreement for supply of 0.8mmtpa of LNG.

Around the same period last



TotalEnergies would supply 1 mmtpa of LNG to IOCL for about 10 years. MINT

year, the public sector refining and marketing major had also signed an agreement with Abu Dhabi National Oil Company (ADNOC) for supply of 1.2mmtpa of LNG starting 2026.

Queries mailed to Indian Oil and TotalEnergies remained unanswered till press time.

The push for long-term contracts has gained momentum after the gas market witnessed

volatility in 2022 due to the Russia-Ukraine war.

Gas prices had soared in 2022 amid the crisis, leading to Gazprom defaulting on its long-term contract with another state-run major GAIL (India) Ltd for about a year starting May 2022.

This happened as Gazprom's German subsidiary found it more lucrative to sell its produce in the spot market rather than fulfilling contractual commitments.

Now, all Indian PSUs dealing in gas, such as IOCL, GAIL, and Petronet LNG have been looking out for long-term contracts to ensure adequate availability of gas and avoid purchases in the volatile spot markets.

On similar lines, Petronet LNG extended its contract with QatarEnergy LNG in February by signing a long-term deal for buying 7.5 million tonnes of LNG per annum.

**TURN TO PAGE 13**